

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 12 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1335 घंटे

विषय: (i) पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों के पास उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव क्षेत्र बना है। इसके अगले 12 घंटों में स्पष्ट कम दबाव क्षेत्र और उसके बाद के 24 घंटों में अवदाब में बदलने की संभावना है। इसके असर से 12 और 13 अगस्त को ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी और कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

(ii) उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के असर से, आज 12 अगस्त, 2026 को पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

(iii) इस हफ्ते ज़्यादातर दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 12 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 21 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम, त्रिपुरा, ओडिशा, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कोंकण, तमिलनाडु, दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक और तटीय कर्नाटक में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ सक्रिय है और निचले क्षोभ मंडलीय स्तर में अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में स्थित है।
- ❖ कल उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के असर से, आज सुबह 05:30 बजे IST पर पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों के पास उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव क्षेत्र बना है। आज, 12 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर भी यह उसी क्षेत्र में बना हुआ था। अगले 12 घंटों के दौरान इसके उसी क्षेत्र में स्पष्ट कम दबाव क्षेत्र में बदलने की संभावना है। इसके बाद, इसके अवदाब में बदलने और अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश तटों से होते हुए उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में बना कम दबाव क्षेत्र आज, 12 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर भी उसी क्षेत्र में बना हुआ था।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभ मंडलीय स्तर में मध्य और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में 22° N अक्षांश के साथ एक अपरूपण क्षेत्र बना हुआ है।
- ❖ मध्य और ऊपरी पछुआ हवाओं में एक ट्रफ के रूप में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है, जिसकी धुरी मध्य क्षोभ मंडलीय स्तर में लगभग 68° E देशांतर पर और 30° N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभ मंडलीय स्तर में दक्षिणी हरियाणा और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभ मंडलीय स्तर में उत्तर-पूर्वी असम और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 12 से 18 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; और 13 से 18 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 14-15 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 15 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 14-18 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 12 अगस्त को पश्चिमी राजस्थान में; और 12-13 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 अगस्त को उत्तराखंड में कुछ जगहों पर या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कुछ जगहों पर या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12-18 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; और 13-14 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12-18 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 13 अगस्त और 15-18 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 13, 15 और 18 अगस्त को उत्तराखंड में; 14-18 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 14-17 अगस्त के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 13-18 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 12-13 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 13-14 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 14 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में; 14 अगस्त और 16-17 अगस्त को उत्तराखंड में; और 12 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 12-14 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 12-18 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 15 से 18 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 13 से 16 अगस्त के दौरान विदर्भ में और 12 से 16 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 13 अगस्त और 16-17 अगस्त को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 14 और 17 अगस्त को; विदर्भ में 12-17 अगस्त के दौरान; छत्तीसगढ़ में 12 अगस्त और 15-17 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 12 अगस्त को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 15-16 अगस्त को; छत्तीसगढ़ में 13-14 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 12 से 18 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 14 से 18 अगस्त के दौरान बिहार में; 12 से 15 अगस्त के दौरान ओडिशा में काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12-13 अगस्त के दौरान बिहार में और 16-18 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12-14 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 12-18 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 12-14 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 12-17 अगस्त के दौरान झारखंड में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 13-14 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 13-15 अगस्त और 17-18 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 12-13 अगस्त और 15 अगस्त को; झारखंड में 12-13 अगस्त और 15-16 अगस्त को; बिहार में 14-17 अगस्त को; ओडिशा में 12-16 अगस्त को बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 16 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम

में; और 14 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है।

- ❖ 12 और 13 अगस्त को ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 अगस्त को झारखंड में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 12 से 18 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 से 16 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12 से 14 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में; 12 से 18 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 15 से 18 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 12 से 18 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में; 12 से 14 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 12 से 13 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 15 से 18 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 12 से 18 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में; 14 से 18 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 से 13 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12 से 15 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में; 13 अगस्त को और 15 से 16 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 13 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 12 अगस्त और 14 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र में; 12 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 12 से 18 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; 17 से 18 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में; 13 से 18 अगस्त के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 से 18 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल व माहे में; 12 से 16 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में; और 12 अगस्त को उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 से 16 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 12 से 13 अगस्त के दौरान उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 12 से 14 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश व यनम और रायलसीमा में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 12 से 13 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक में; 15 से 16 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश व यनम और रायलसीमा में; और 12 से 16 अगस्त के दौरान तेलंगाना में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 12 से 14 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 13 से 14 अगस्त के दौरान केरल और माहे में; 12 से 13 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; और 12 अगस्त को उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 से 13 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; और 12 से 16 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश व यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, पश्चिमी-मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में (जो उत्तर और पूर्वी-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों से जुड़े हैं) 17 अगस्त तक; 12 अगस्त को उत्तरी महाराष्ट्र के तटों के पास और उनसे दूर; और 13 से 15 अगस्त के दौरान पूरे महाराष्ट्र के तटों पर।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: अंडमान सागर, कोमोरिन इलाके के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी (जो दक्षिण श्रीलंका तट से जुड़ी है) में 17 अगस्त तक; ओडिशा, बांग्लादेश, म्यांमार के तटों के पास और उनसे दूर, और उत्तर-पूर्व से जुड़ी मध्य बंगाल की खाड़ी में 15 अगस्त तक; पश्चिम बंगाल के तटों के पास और उनसे दूर, और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में 16 अगस्त तक।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

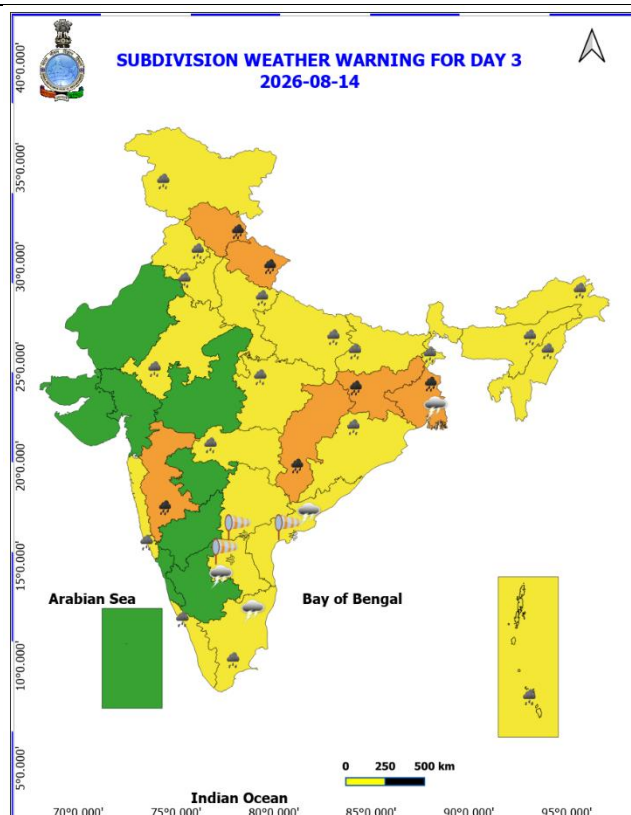
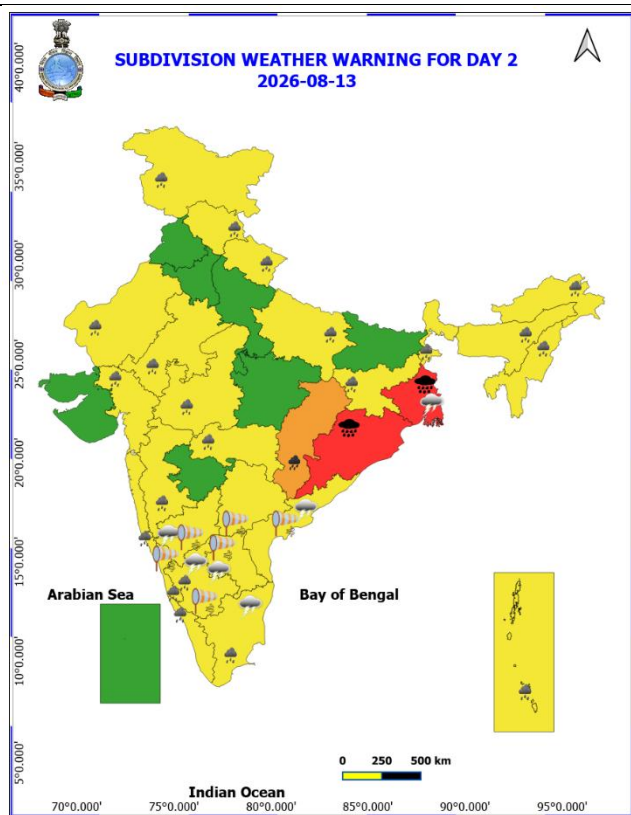
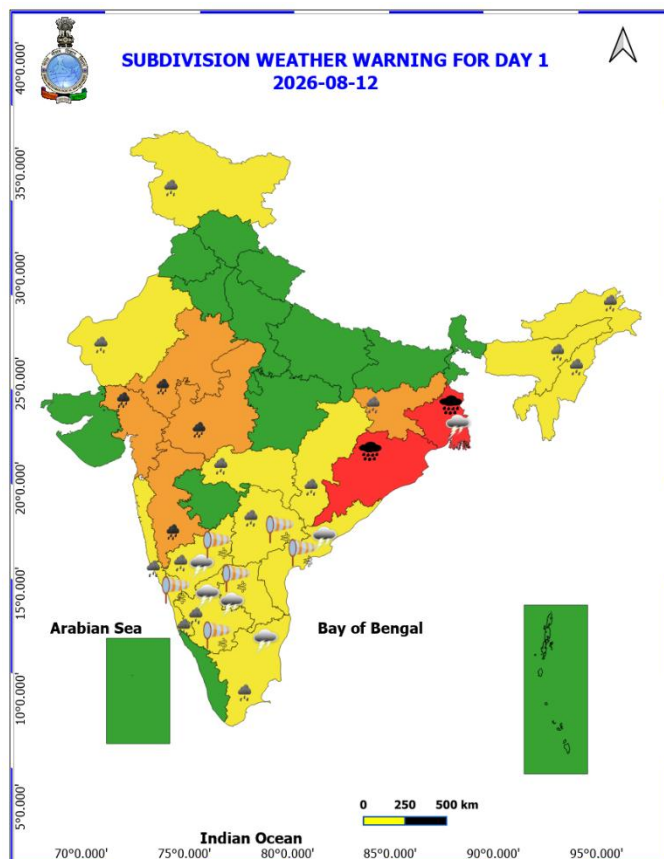
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

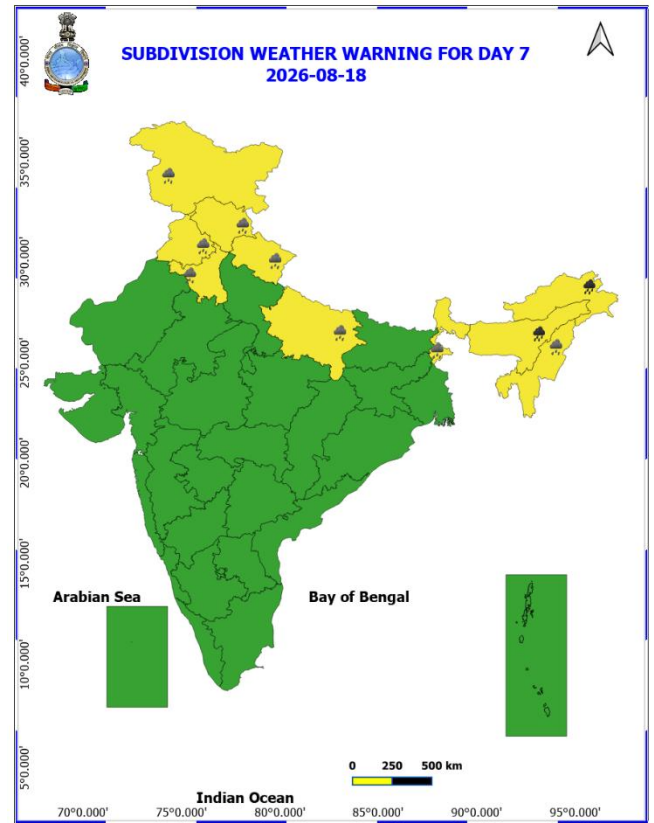
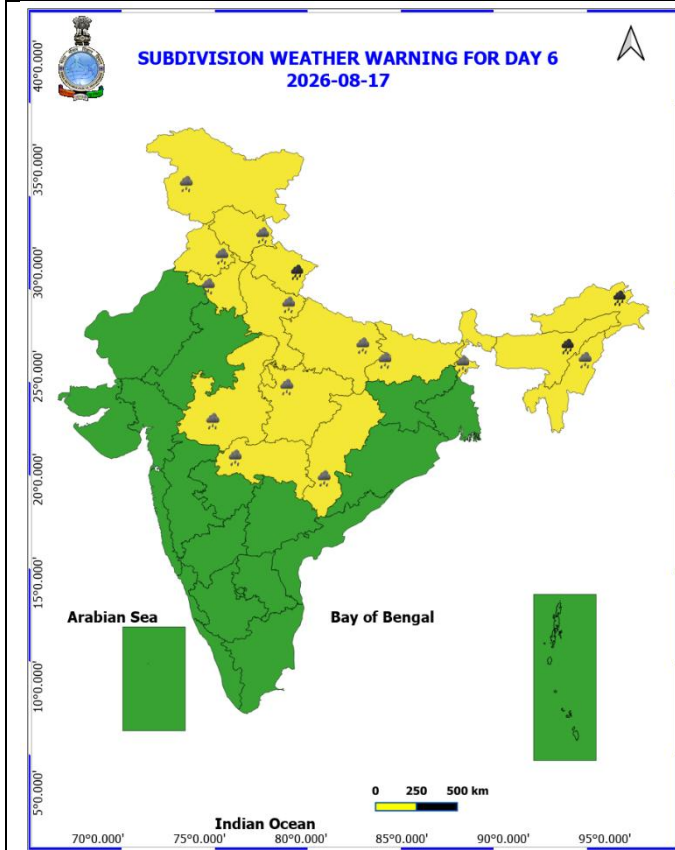
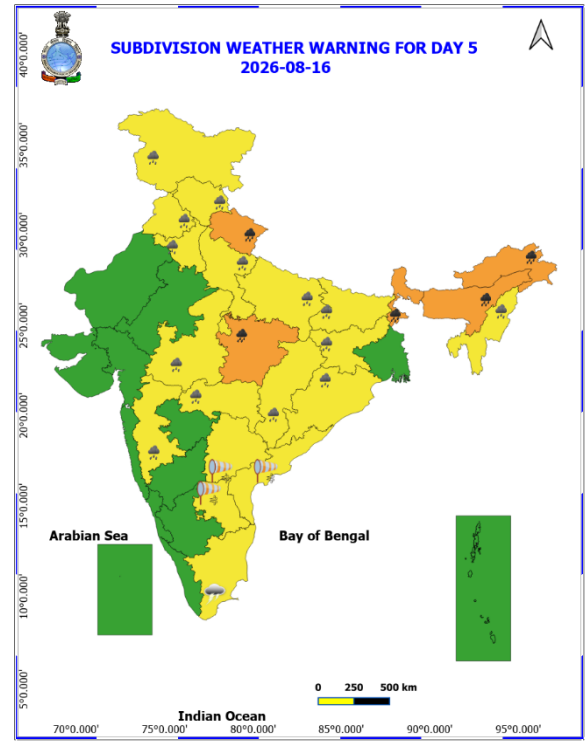
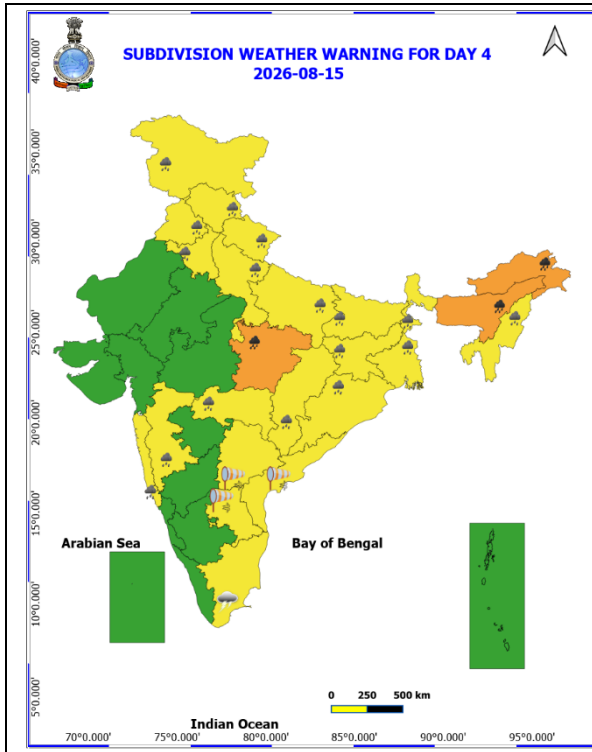
सबसे ज्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: गोगावां (खरगोन) 22
- ❖ पूर्वी राजस्थान: गंगरार (सीटीजी) 21
- ❖ गुजरात क्षेत्र: पणम बांध (महिसागर) 20
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बिजनौर 15
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: गगनबावड़ा (खोलापुर) 12
- ❖ त्रिपुरा: बिसरामगंग (सिपाहिजाला) 11
- ❖ असम: डिब्रूगढ़ 10
- ❖ हरियाणा: साढौरा (जिला यमुनानगर) 10
- ❖ पश्चिमी राजस्थान: जायल 10
- ❖ कोंकण: वसई (पालघर) 10
- ❖ तमिलनाडु: कुड्डालोर 9
- ❖ ओडिशा: देवगढ़ 8
- ❖ हिमाचल प्रदेश: धौलाकुआं 8
- ❖ तटीय कर्नाटक: उडुपी 7
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: अमरकंटक (अन्नूपुर) 7
- ❖ छत्तीसगढ़: सूरजपुर 7
- ❖ पंजाब: रणजीत सागर बांध स्थल (जिला पठानकोट) 7
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: कांगकू (एडब्ल्यूएस) 7
- ❖ झारखंड: सिमडेगा 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	12- Aug	13- Aug	14- Aug	15- Aug	16- Aug	17- Aug	18- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	FWS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
9	BIHAR	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	FWS	FWS	ISOL	ISOL	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

12 अगस्त से 15 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 3-4°C की गिरावट आई है और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 30-31°C और न्यूनतम तापमान 23-26°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1 से -5.0), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में आम तौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन पर हवा की गति 14 किमी/घंटा रही, जो पूर्व दिशा से चल रही थी। आज सुबह से दोपहर के बीच इस इलाके में उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

12.08.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

13.08.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह से शाम के बीच एक-दो बार बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा हो जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी।

14.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर से पहले तक कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा हो जाएगी और यह उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और यह पश्चिम दिशा से चलेगी।

15.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह-सुबह (4-6 बजे) लगभग 5 मिमी बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की 70 प्रतिशत संभावना है। सुबह 6-9 बजे के बीच लगभग 2-3 मिमी बहुत हल्की बारिश होने की 60 प्रतिशत संभावना है। दोपहर से शाम के बीच लगभग 3 मिमी बहुत हल्की बारिश होने की 60 प्रतिशत संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.1°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 10 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार कम होकर 18 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 12 और 13 अगस्त को ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 अगस्त को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र और ओडिशा में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है।
- ❖ 12 अगस्त को झारखंड में मध्यम से तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ ओडिशा में, खरीफ़ धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, केला, सब्जियों के खेतों और नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी की लगातार और असरदार निकासी सुनिश्चित करें। बारिश के मौसम में खेतों की नालियों, आउटलेट और मेड़ों को साफ़ और चालू रखें। बाढ़ वाले इलाकों में, मक्का और मूंग की बुवाई/दोबारा बुवाई टाल दें और बाजरे के खेतों में पानी जमा न होने दें। सब्जियों को सहारा (स्टेकिंग) दें और केले, पपीते व बागवानी के छोटे पौधों को सहारा (प्रॉपिंग) दें। धान की रोपाई वाले खेतों में, पौधों को लंबे समय तक पानी में डूबे रहने से बचाने के लिए इमरजेंसी आउटलेट बनाए रखें।
- ❖ पश्चिम बंगाल में, रोपाई वाले अमन धान, जूट और सब्जियों के खेतों से पानी की लगातार निकासी सुनिश्चित करें और निचले इलाकों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकालें। धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ें मज़बूत करें और लंबे समय तक जलभराव से बचने के लिए खेतों की नालियों को ठीक रखें। बारिश के दौरान खाद और कीटनाशक न डालें और जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार फ़सल की कटाई करें; कटी हुई फ़सल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, सोयाबीन, अरहर, उड़द, मूंग, रागी, कुटकी, कोदो और सब्जियों के खेतों में, खासकर निचले इलाकों में, पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम रखें। खेतों की मेड़ों और पानी की नालियों को मज़बूत करें। धान की रोपाई और खरीफ़ फ़सलों की बुवाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो; टमाटर, मिर्च और दूसरी सब्जियों की फ़सलों को सहारा दें और पपीते व फलों के दूसरे पौधों को भी सहारा दें।

- ❖ गुजरात में, खेतों की नालियों को खुला और रुकावट-मुक्त रखें और धान, कपास, बाजरा, मूंगफली, तिल, मक्का, दालों, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकालें। जब तक खेत की हालत बेहतर न हो जाए, तब तक बुवाई, रोपाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें। केला, पपीता और सब्जियों की फसलों को सहारा दें।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में, धान, रागी और सब्जियों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें और पानी जमा होने से रोकने के लिए निकासी की नालियों को साफ रखें। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक फसल की देखभाल (जैसे निराई-गुड़ाई), खाद डालने और पौधों की सुरक्षा के उपाय टाल दें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, सोयाबीन और रागी के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और प्रभावित फसलों से कीचड़ और मलबा हटा दें। सब्जियों और बागों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें। जहाँ भी संभव हो, तैयार मक्के के भुट्टे, खीरे, लौकी और दूसरी कद्दू-वर्गीय सब्जियों की कटाई करें और केले के पौधों को सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं।
- ❖ असम में, धान, गन्ना, सोयाबीन, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें। निचले इलाकों में धान के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और गन्ने के खेतों में पानी जमा न होने दें। धान की रोपाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो और तिल, मूंग और उड़द की बुवाई तब तक टाल दें जब तक खेत की हालत बेहतर न हो जाए।
- ❖ मेघालय में, धान की रोपाई न करें और धान, मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें। पानी की निकासी के रास्ते खुले रखें और फसल की जड़ों के आस-पास पानी जमा न होने दें। पके हुए केले तोड़ लें और भारी फलों वाले पौधों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें और धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा न होने दें। गीले मौसम में खेत के काम, खाद डालना और पौधों की सुरक्षा के उपाय टाल दें और कमज़ोर फसलों को ज़रूरत पड़ने पर सहारा दें।
- ❖ झारखंड में, खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने का सही इंतजाम करें और गीले मौसम में खाद और कीटनाशक न डालें। अरहर और खरीफ मक्के की बुवाई और धान व रागी की नर्सरी/रोपाई का काम तभी जारी रखें जब खेत में पानी की निकासी और मिट्टी की हालत सही हो।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, सोयाबीन, मक्का, अरहर, अदरक, लहसुन, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), रागी, टमाटर और अन्य खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें। धान की रोपाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो और मूंगफली, सोयाबीन और मक्के की बुवाई तब तक टाल दें जब तक मौसम सही न हो जाए। पके हुए टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें और उपज को सुरक्षित, सूखी जगह पर रखें।
- ❖ राजस्थान में, सोयाबीन, मक्का और अन्य खड़ी फसलों वाले खेतों में, खासकर निचले इलाकों में, पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें। धान की नर्सरी में पानी की निकासी के गेट खुले रखें और भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई टाल दें। बाजरा, ग्वार, मूंग, मोठ और अन्य खरीफ फसलों की बुवाई तभी करें जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो और खेत की हालत सही हो।
- ❖ कोंकण और गोवा में, धान, रागी, हल्दी, मूंगफली, सब्जियों के खेतों और बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें ताकि पानी जमा न हो। खेत में पानी की निकासी के रास्ते साफ रखें और धान की रोपाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, मक्का, धान की रोपाई वाले खेतों, बैंगन, मिर्च, टमाटर और भिंडी के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी का सही इंतजाम करें। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खेती-बाड़ी के काम, खाद डालना और पौधों की सुरक्षा के उपाय टाल दें। केले, पपीते और सब्जियों की फसलों को सहारा दें और जहाँ ज़रूरत हो, वहाँ गन्ने की फसल को सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- ❖ विदर्भ में, पहले से बोई गई सोयाबीन, कपास, अरहर, ज्वार, मक्का, धान और सब्जियों की नर्सरी और बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। खाली जगहों पर दोबारा बुवाई (गैप फिलिंग) और पौधों की छंटाई (थिनिंग) तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो; और अतिरिक्त पानी निकलने तथा मिट्टी की हालत ठीक होने के बाद ही धान और सब्जियों के पौधों की रोपाई करें।
- ❖ तमिलनाडु में, धान की नर्सरी और कपास के नए खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी का सही इंतजाम करें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ धान की रोपाई और मक्का व कद्दू-वर्गीय फसलों की बुवाई करें, और जहाँ धान

पक चुका हो, वहाँ उसकी कटाई करें। केले के पौधों और दूसरी कमज़ोर फ़सलों को गिरने से बचाने के लिए मज़बूत सहारा दें।

- ❖ कर्नाटक में, धान के खेतों, सुपारी के बागानों, फलों के बागों, मक्का और अदरक के खेतों में जल-जमाव रोकने के लिए जल निकासी का सही इंतज़ाम करें। भारी बारिश वाले इलाकों में धान की रोपाई में देरी करें और मक्का व अन्य खरीफ़ फ़सलों की बुवाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो। जहाँ ज़रूरत हो, वहाँ केले और दूसरी कमज़ोर फ़सलों को सहारा दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्ज़ियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक बाढ़ के बारे में जानकारी

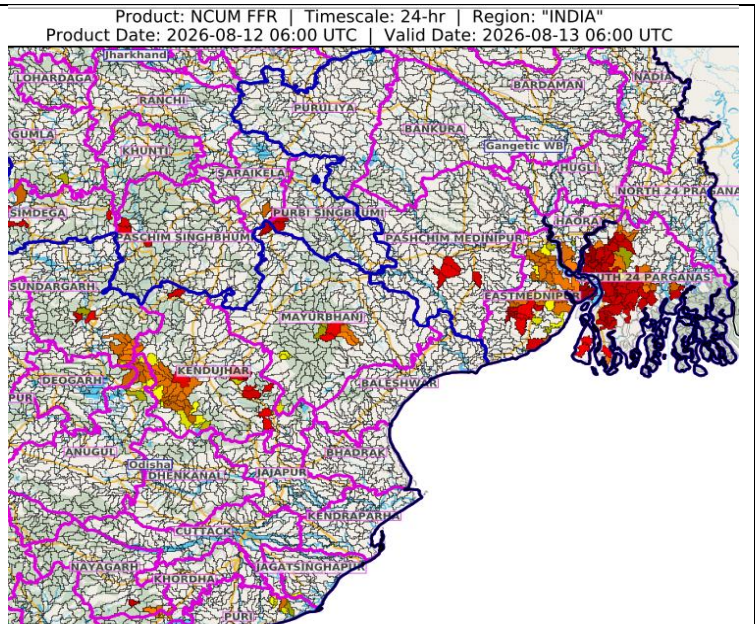
13-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR):

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी सब-डिविजन के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

ओडिशा: क्योड़रगढ़, मयूरभंज, नयागढ़, पुरी और सुंदरगढ़ ज़िले

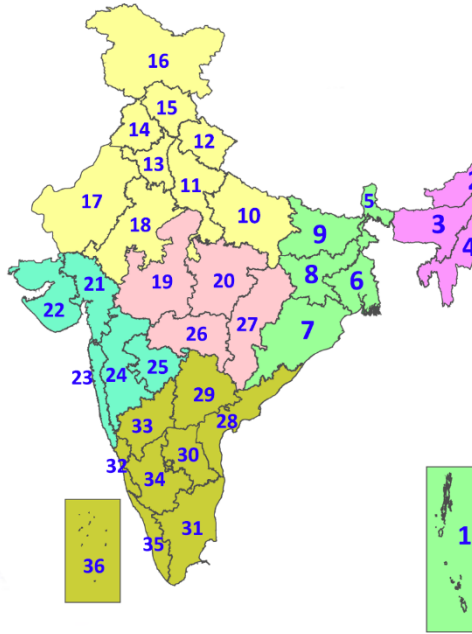
गंगा के मैदानी इलाके वाला पश्चिम बंगाल: पश्चिम मिदनापुर, पूर्व मिदनापुर, दक्षिण 24 परगना और हावड़ा ज़िले

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, मैप में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने या जलभराव की स्थिति बन सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)